



UNIVERSITY NEWS 08 OCTOBER 2026

VOICE OF LUCKNOW

HINDUSTAN

AMAR UJALA

AMAR UJALA

कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने विद्यार्थियों से किया संवाद

विरोध संवाददाता (vol)

लखनऊ। अक्टूबर की खिली धूप, परिसर में किताबों के साथ चलते युवाओं की चहलकदमी और व्याख्यान कक्षों से आती प्रोफेसरों की आवाज—लखनऊ विश्वविद्यालय का परिसर बुधवार को अपने पुरे अकादमिक शब्दावली पर नजर आया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी बिना किसी औपचारिक लवजमे के सीधे उनके बीच पहुंच गए। उद्देश्य किसी औपचारिकता या सख्त प्रशासनिक मुआवजे का नहीं, बल्कि सीधे अपने विद्यार्थियों के मन की बात जानने और उनसे आत्मीय संवाद स्थापित करने का था।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी सर्वप्रथम वाणिज्य संकाय पहुंचे। वहां लगभग सभी व्याख्यान कक्षों में कक्षाएं पूरी तन्मयता और नियमितता के साथ संचालित होती पाई गईं। शिक्षक समूह रहे थे और विद्यार्थी एकाग्र होकर नोट्स ले रहे थे।

कक्षाओं के नियमित संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति सीधे विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनसे सहज भाव में संवाद स्थापित किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से पूछा कि



- वाणिज्य संकाय की सभी कक्षाओं में नियमित पठन-पाठन देख जतायी संतुष्टि
- विद्यार्थियों से करियर और अकादमिक लक्ष्यों पर की खुलकर बात

कुलपति परिसर की ऐतिहासिक और छात्रजीवन की घड़कन मानी जाने वाली 'मिल्क बार कैटीन' पहुंचे। कैटीन में कुलपति सीधे विद्यार्थियों की टेबल के पास पहुंचे और उनसे रुबक हुए। हाथ में नाश्ते की प्लेट और सामने बैठे विश्वविद्यालय के शीर्ष मुखिया—विद्यार्थियों की झिझक कुछ ही पलों में आत्मियता में बदल गई। कुलपति ने छात्रों से उनके भविष्य के सपनों, करियर योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और दैनिक अध्ययन की दिनचर्या पर लंबी चर्चा की। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि डिग्री के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल, नवाचार और निरंतर सीखने की ललक ही आज के दौर में सफलता की कुंजी है।

कक्षाओं के सुखद अनुभव के बाद

HINDUSTAN

नशा मुक्ति जागरूकता के लिए निकाली रैली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित विधि संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत व जागरूक करने के उद्देश्य से नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन किया। जागरूकता रैली का गेट नंबर 2 से हुआ। स्वयंसेवकों के हाथों में नशा विरोधी स्लोगन, पोस्टर और बैनर थे। द्वितीय परिसर के गेट नंबर 2 से रवाना होकर जानकीपुरम के प्रमुख मार्ग से होते हुए मुलायम तिराहे तक पहुंचे।

AMAR UJALA

पुरुष बास्केटबॉल टीम का ट्रायल 12 को लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पुरुष बास्केटबॉल टीम के चयन के लिए ट्रायल 12 अक्टूबर को दोपहर 02:30 बजे से विवि के शिवाजी ग्राउंड पर होंगे। चयनित टीम आगामी नॉर्थ जोन/ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी गेम्स में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। बास्केटबॉल क्लब की अध्यक्ष प्रो. शशि कनौजिया ने बताया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले इच्छुक खिलाड़ियों को नौ अक्टूबर की शाम पांच बजे तक क्रीड़ा परिषद कार्यालय (पवेलियन ग्राउंड) में पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को दो पासपोर्ट साइज फोटो, वर्तमान सत्र की फीस रसीद (मूल), हाईस्कूल, इंटरमीडिएट व स्नातक/परास्नातक की मार्कशीट की छायाप्रति जमा करनी होगी। विद्यार्थियों का आवेदन संबंधित कॉलेज के प्राचार्य से सत्यापित होना अनिवार्य है। (संवाद)

शिविर में रक्तदान व निशुल्क जांच

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) यूनिट-12, विधि संकाय की ओर से बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। केजीएमयू के सहयोग से आयोजित शिविर में 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। करीब 50 लोगों ने रक्तदान किया। विधि संकाय के अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आरके वर्मा, अतिरिक्त छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अर्चना सिंह और अतिरिक्त कुलानुशासक प्रो. डॉ. अभिषेक तिवारी मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

कक्षाओं से कैटीन तक पहुंचे कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों की मेस से लगातार खराब खाने की शिकायतों के बीच एक बार फिर एल्यू कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने छात्र-छात्राओं के साथ संवाद किया। किचन में बन रहे समोसों को देखा और कैटीन का निरीक्षण भी किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी बुधवार को अचानक विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनके पढ़ाई से लेकर करियर तक की योजनाओं पर बातचीत की। उन्होंने वाणिज्य संकाय की कक्षाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद मिल्क बार कैटीन पहुंचकर छात्रों के साथ बैठकर चाय नाश्ता किया और उनके भविष्य से जुड़े सवाल पर खुलकर चर्चा की।

पीएचडी प्रवेश का सीट आवंटन जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया के तहत कॉमर्स, फिजिक्स और बाॅटनी विषयों के जेआरएफ, नेट, नेट-पीएचडी अभ्यर्थियों की प्रोविजनल कंप्लीट मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। उपलब्ध सीटों के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों का सीट आवंटन भी जारी किया गया है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनिल गौरव के अनुसार, कॉमर्स और फिजिक्स में जेआरएफ अभ्यर्थियों, जबकि बाॅटनी में जेआरएफ/नेट और नेट पीएचडी अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। चयनित अभ्यर्थी आठ अक्टूबर को सुबह 10 बजे से फीस जमा कर सकेंगे। अंतिम तिथि नौ अक्टूबर है। (माई सिटी रिपोर्टर)

नशामुक्ति के लिए छात्रों ने निकाली रैली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर स्थित विधि संकाय के एनएसएस स्वयंसेवकों ने बुधवार को नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली। संकाय अध्यक्ष प्रो. आरके वर्मा ने अन्य शिक्षकों के साथ गेट नंबर-2 से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली जानकीपुरम के प्रमुख मार्गों से होते हुए मुलायम तिराहे तक पहुंची। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर राय के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने पोस्टर-बैनर और नारे लगाकर राहगीरों, दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

निरीक्षण कर कुलपति ने किया छात्रों से संवाद



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने बुधवार को वाणिज्य संकाय का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पाठ्यक्रम की प्रगति, विषयों को समझने में आ रही दिक्कतों और लाइब्रेरी व डिजिटल संसाधनों के उपयोग के बारे में जानकारी ली। शिक्षकों से बातचीत कर विद्यार्थियों को समसामयिक वित्तीय रूझानों और व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ने पर जोर दिया। इसके बाद कुलपति मिल्क बार कैटीन पहुंचे और विद्यार्थियों से बातचीत की। विवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति का विद्यार्थियों से सीधे संवाद का उद्देश्य उन्हें भयमुक्त और प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

रोध

क्रोमियम प्रदूषण में भी पौधा रहा सुरक्षित, औषधीय तत्व बढ़ने से कैंसररोधी क्षमता में भी इजाफा

यूवी-बी किरणों ने बढ़ाई बाकुची की औषधीय ताकत

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। पराबैंगनी विकिरण (यूवी-बी) को आमतौर पर पौधों और जीव-जगत के लिए नुकसानदेह माना जाता है, लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय के एक शोध में इसका एक अलग प्रभाव सामने आया है। वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्वातिका पांडेय के नेतृत्व में हुए अध्ययन में पाया गया कि अतिरिक्त यूवी-बी विकिरण से संकटग्रस्त औषधीय पौधे बाकुची के बीजों में औषधीय यौगिकों का मात्रा बढ़ जाती है। यह शोध बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से किया गया। डॉ. अर्वातिका पांडेय ने बताया कि शोध

वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्वातिका के नेतृत्व में हुए शोध से निकले परिणाम

में बाकुची के पौधों पर सामान्य परिस्थितियों, क्रोमियम युक्त मिट्टी और यूवी-बी व क्रोमियम के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन किया गया। अतिरिक्त यूवी-बी के संपर्क में आने पर बीजों में बाकुचियोल, सोरालेन और आइसोसोसालेन जैसे महत्वपूर्ण फाइटोकेमिकल्स की सांद्रता में वृद्धि मिली। यह यौगिक त्वचा संबंधी विकारों के उपचार में उपयोगी माने जाते हैं। शोध में यूवी-बी के प्रभाव में तैयार बीजों के अर्क की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता भी अधिक पाई गई।

NBT

यूवी-बी किरणों से औषधीय 'सुपर सीड' बने बाकुची

■ NBT रिपोर्टर, लखनऊ

पराबैंगनी विकिरण (UV रेज) इंसानी सेहत के लिए भले ही नुकसानदेह माना जाता हो, लेकिन औषधीय पौधों के लिए यह संजीवनी साबित हो सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के बाॅटनी विभाग के एक नए शोध में यह बात सामने आई है। विभाग ने बाकुची (Bakuchi) के पौधों को जब अतिरिक्त UV-B किरणों से ट्रीट किया, तो उसके बीजों में गंभीर त्वचा रोगों और कैंसर से बचाने वाले औषधीय तत्वों की मात्रा कई गुना बढ़ गई। यह महत्वपूर्ण अध्ययन प्रतिष्ठित 'प्रोसीडिंग्स ऑफ नैशनल अकेडमी ऑफ साइंस' जर्नल में प्रकाशित हुआ है।



बाॅटनी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अर्वातिका पांडेय ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (BHU) के सहयोग से यह शोध पूरा किया है। डॉ. अर्वातिका के पौधों पर अतिरिक्त UV-B विकिरण पड़ने से उसमें जीवनरक्षक रासायनिक यौगिकों (फाइटोकेमिकल्स) का उत्पादन तेजी से बढ़ता है। किरणों के प्रभाव से बीजों में बाकुचियोल, सोरालेन और आइसोसोसालेन जैसे बेहद मूल्यवान तत्वों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। ये दुर्लभ फाइटोकेमिकल्स पारंपरिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धति में सोरगरेसिस, विटिलिगो (सफेद दाग)

एल्यू के बाॅटनी विभाग में किया गया शोध, बाकुची के पौधों में बढ़ गए गंभीर बीमारी से बचाने वाले तत्व

और गंभीर सूजन के इलाज में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाते हैं। इसके अलावा, इनमें कैंसर-रोधी गुण और बढ़ती उम्र के असर को धामने वाले एंटी-एजिंग तत्व भी भरपूर मात्रा में पाए गए। शोध के अनुसार, UV-B किरणों के संपर्क में तैयार बीजों के अर्क ने शरीर के लिए घातक फ्री-रेडिकल्स को निष्क्रिय करने की एंटीऑक्सीडेंट क्षमता दिखाई।

किसानों के लिए भी फायदे का सौदा: यह शोध किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। बाकुची को तेज धूप और प्राकृतिक यूवी विकिरण वाले शुष्क (सूखे) इलाकों में आसानी से उगाया जा सकता है, जिससे किसान न्यूनतम लागत में उच्च गुणवत्ता वाली औषधीय फसल ले सकेंगे। इतना ही नहीं, औद्योगिक अपशिष्टों से हल्की प्रदूषित मिट्टी में भी इसकी सुरक्षित खेती संभव है, जो बंजर या कम उपजक जमीन वाले किसानों के लिए बेहतर है।

AMRIT VICHAR

वाॅलीबॉल नॉर्थ जोन का चयन ट्रायल

लखनऊ, अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के शिवाजी मैदान में बुधवार को पुरुष वाॅलीबॉल नॉर्थ जोन के लिए चयन ट्रायल का आयोजन किया गया। इस ट्रायल में विश्वविद्यालय के ऐतिहासिक 100 से अधिक प्रतिभावां वाॅलीबॉल खिलाड़ियों ने प्रतिभाग करते हुए अपने खेल कौशल एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। चयन ट्रायल का आयोजन वाॅलीबॉल के अध्यक्ष मोहम्मद तारिक

हुआ। ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों की तकनीकी दक्षता, शारीरिक फिटनेस, खेल कौशल, टीम भावना, अनुशासन तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का बारीकी से मूल्यांकन किया और 3 राउंड में चयन प्रक्रिया को सम्पन्न किया गया।

‘मन की बात’ करने छात्रों के बीच पहुंचे लविवि के कुलपति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के गर्म माहौल को ठंडा करने और विद्यार्थियों की समस्याओं को जानने के लिए कुलपति प्रो. जेपी सैनी उनके बीच पहुंच रहे हैं। गुरुवार को वह फिर किसी औपचारिक तामझाम के विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनके 'मन की बात' जानने का प्रयास किया। कुलपति सबसे पहले विवि परिसर स्थित वाणिज्य संकाय में छात्र-छात्राएं के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत की।

कुलपति ने विद्यार्थियों से पूछा कि पाठ्यक्रम की प्रगति कैसी चल रही है। विषयों को समझने में किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं आ रही है और विवि की लाइब्रेरी व डिजिटल संसाधनों का कितना लाभ उठा पा रहे हैं। शिक्षकों से भी बातचीत की। इसके बाद कुलपति

● कैटीन से कक्षाओं तक कुलपति ने आम छात्रों के साथ की गपशप

विद्यार्थी जीवन की घड़कन मानी जाने वाली 'मिल्क बार कैटीन' पहुंचे। हाथ में नाश्ते की प्लेट लिए छात्रों ने कुलपति के समझ वैश्लेषिक उनसे अपनी समस्याएं रखीं। कुलपति ने उनके भविष्य के सपनों, करियर योजनाओं, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और दैनिक अध्ययन की दिनचर्या पर लंबी चर्चा की। प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि कक्षाओं से लेकर मिल्क बार कैटीन तक कुलपति का यह दौरा संवेदनशील 'छात्र संवाद' रहा। कुलपति ने विद्यार्थियों से उनके भविष्य, करियर और पठन-पाठन को लेकर जो अनौपचारिक चर्चा की, उसने विद्यार्थियों में नया आत्मविश्वास और ऊर्जा भरने का कार्य किया है।



कक्षा में छात्रों से संवाद करते कुलपति प्रो. जेपी सैनी।

अमृत विचार



UNIVERSITY NEWS 08 OCTOBER 2026

DAINIK JAGRAN

DAINIK JAGRAN

पराबैंगनी किरणों से विलुप्तप्राय 'बाकुची' के औषधीय गुण बढ़े

जास • लखनऊ : पर्यावरण और औषधीय वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। आमतौर पर पराबैंगनी किरणों को समस्त जीव-जगत, वनस्पतियों और मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है, लेकिन लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर डा. अवंतिका पांडेय के नेतृत्व में हुए अध्ययन ने इस पारंपरिक धारणा को नई दिशा दी है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से हुए अध्ययन में सामने आया है कि संकटग्रस्त औषधीय पौधे सोरेलिया कोरीलिफोलिया (बाकुची) पर अतिरिक्त किरणें पड़ने से उसके जीवनरक्षक औषधीय यौगिकों के उत्पादन में वृद्धि होती है।

बाकुची के पौधों को जब अतिरिक्त पराबैंगनी किरणों के संपर्क में रखा गया, तो उनके बीजों में बाकुचियोल, सोरालेन और आइसोसोरालेन जैसे अत्यधिक मूल्यवान रासायनिक यौगिकों की सांद्रता में बढ़ोतरी दर्ज की गई। ये दुर्लभ यौगिक पारंपरिक व आधुनिक

रिसर्च जर्नल 'प्रोसीडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज, इंडिया' में प्रकाशित हुआ शोध पत्र

चिकित्सा में विटिलिगो (सफेद दाग), सोरायसिस तथा विभिन्न त्वचा विकारों व गंभीर सूजन के उपचार में प्रमुखता से उपयोग किए जाते हैं। अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ कि किरणों के प्रभाव में विकसित बीजों के अर्क ने शरीर के लिए घातक साबित होने वाले फ्री-रेडिकल्स को निष्प्राभावी करने की कहीं अधिक एंटी आक्सीडेंट क्षमता प्रदर्शित की। यह अध्ययन कृत्रिम वातावरण के बजाय प्राकृतिक परिस्थितियों में संपन्न किया गया। शोध का सबसे उत्साहजनक परिणाम यह रहा कि भारी धातु क्रोमियम की विषाक्त मौजूदगी के बावजूद किरणों का सकारात्मक औषधीय प्रभाव लगातार बना रहा। यह शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स आफ द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेज, इंडिया, सेक्शन बी : बायोलॉजिकल साइंसेज' में प्रकाशित हुआ है।

कुलपति ने चाय की चुस्कियों के बीच युवाओं को किया प्रेरित

लखनऊ : खिली धूप, परिसर में किताबों के साथ चलती युवाओं की चहलकदमी और व्याख्यान कक्षों से आती प्रोफेसर्स की आवाज। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर बुधवार को अपने पूरे अकादमिक रूप में नजर आया। इसी बीच कुलपति प्रो. जेपी सैनी को अपने बीच पाकर विद्यार्थियों को सुखद आश्चर्य हुआ। उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया।

वाणिज्य संकाय में कुलपति ने छात्र-छात्राओं से पूछा कि पाठ्यक्रम की प्रगति कैसी चल रही है, उन्हें विषयों को समझने में किसी प्रकार की कठिनाई तो नहीं आ रही। इसके बाद वह मिल्क बार कैटीन पहुंचे। यहां चाय की चुस्कियों के बीच उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि डिग्री के साथ व्यावहारिक कौशल, नवाचार जरूरी है। वि.

किसी भी स्थिति का विकल्प प्रदर्शन नहीं

छोटी सी मुलाकात



प्रो. अमिता कनीजिया, डीन, छात्र कल्याण, लखनऊ विश्वविद्यालय

छात्रावास में खाने की गुणवत्ता को लेकर अक्सर विद्यार्थी प्रदर्शन करते हैं। आपका क्या कहना है? - लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से टेडर के माध्यम से एक काम को खाने का काम दिया गया है। मेस के कर्मचारी कोशिश कर रहे हैं कि विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं स्वादिष्ट भोजन मिले। सफाई-सफाई एवं समय का भी ध्यान रखा जा रहा है। कभी-कभी मानवीय गलती हो जाती है, उसे इस दृष्टिकोण से समझने का भी प्रयास किया जाना चाहिए। किसी भी स्थिति का विकल्प प्रदर्शन या तोड़-फोड़ नहीं होता है।

छात्र-छात्राओं को मेस फीस के मुताबिक भोजन मिल रहा है?

छात्रावासों में बहुत ही रियायती दर पर भोजन एवं नाश्ता उपलब्ध कराया जाता है। छात्राओं को रोज 82 रुपये 40 पैसे की दर से सुबह एवं शाम के नाश्ते के साथ दोपहर एवं रात का भोजन देते हैं। छात्रों को यह सुविधा मात्र 107 रुपये प्रतिदिन की दर से उपलब्ध करायी जाती है।

लवि विद्यार्थियों से समन्वय कैसे स्थापित कर रहा है?

छात्र-छात्राओं को मेस संभालने में सहभागी बनाया गया है। छात्रों को लेकर प्रत्येक हफ्ता में एक मेस कमिटी गठित की गई है, जिसका काम प्रोब्लम एवं सहयोग प्रोब्लम के साथ मिलकर मेस की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं अनुशासन को व्यवस्थित रखना है।

छात्र-छात्राओं से आप क्या कहना चाहेंगे?

मेरा मानना है कि छात्रावास छात्र-छात्राओं का घर है। हम चाहते हैं कि वहां छात्रावास में अपने घर जैसा माहौल पाए। साथ ही, अनुशासन त्याग एवं सामुदायिक जीवन सहभागिता व समन्वय के माध्यम से एक अच्छा नागरिक बने।

लवि के 14 शिक्षक विश्व के शीर्ष विज्ञानियों में

लखनऊ : संयुक्त राज्य अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की ओर से तैयार वैश्विक विज्ञानियों के डेटाबेस के 2026 संस्करण में लवि के 14 संकाय सदस्यों को विश्व के शीर्ष दो प्रतिशत विज्ञानियों की सूची में स्थान मिला है। इनमें से कई को आजीवन प्रभाव सूची में भी शामिल किया गया है। यह लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। एक वर्षीय प्रभाव सूची में प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. मधुकमले (बायोकेमिस्ट्री विभाग), डा. विनोद कुमार वशिष्ठ (रसायन विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग), प्रो. मोहम्मद इस्माइल अंसारी (प्राणि विज्ञान विभाग), डा. नलिनी पांडे (वनस्पति विज्ञान विभाग), डा. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग), डा. मनोज कुमार जैन, डा. विवेक कुमार सिंह

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अपडेट किया विज्ञानियों का डेटाबेस

कई को आजीवन प्रभाव सूची में भी शामिल किया गया

प्रमुख शोध क्षेत्रों का योगदान

भौतिकी विभाग के प्रो. अमृतांशु शुक्ला और डा. सीआर गौतम लगातार इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं। रसायन विभाग से प्रो. अभिनव कुमार और डा. विनोद कुमार वशिष्ठ ने मैटेरियल साइंस और पर्यावरण के क्षेत्र में विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। भूविज्ञान विभाग के प्रो. इंद्रबीर सिंह ने अपने दीर्घकालिक शोध कार्यों के बल पर दोनों (एक वर्षीय और आजीवन) सूचियों में अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज कराई है।

(भौतिकी विभाग), प्रो. अभिनव कुमार (रसायन विभाग), प्रो. इंद्रबीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), डा. शशि भूषण (सांख्यिकी विभाग), प्रो. मोनिशा बनर्जी (प्राणि विज्ञान विभाग) व डा. प्रदीप कुमार (वनस्पति विज्ञान विभाग) शामिल हैं। वहीं, आजीवन प्रभाव सूची प्रो. विष्णु जी राम, प्रो. इंद्रबीर सिंह (भूविज्ञान विभाग), प्रो. ओमकार (प्राणि विज्ञान विभाग), प्रो. अमृतांशु शुक्ला (भौतिकी विभाग) व डा. चंद्रकिरण गौतम (भौतिकी विभाग) शामिल हैं।

